CLASS : 12th (Sr. Secondary) **2054/2004**

Series : SS-M/2017

Total No. of Printed Pages : **8**

MARKING INSTRUCTIONS AND MODEL ANSWERS

HINDI (Elective)

ACADEMIC/OPEN

(Only for Fresh Candidates)

उप-परीक्षक मूल्यांकन निर्देशों का ध्यानपूर्वक अवलोकन करके उत्तर-पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करें। यदि परीक्षार्थी ने प्रश्न पूर्ण व सही हल किया है तो उसके पूर्ण अंक दें।

General Instructions :

(i) *Examiners are advised to go through the general as well as specific instructions before taking up evaluation of the answer-books.*

(ii) *Instructions given in the marking scheme are to be followed strictly so that there may be uniformity in evaluation.*

(iii) *Mistakes in the answers are to be underlined or encircled.*

(iv) *Examiners need not hesitate in awarding full marks to the examinee if the answer/s is/are absolutely correct.*

(v) *Examiners are requested to ensure that every answer is seriously and honestly gone through before it is awarded mark/s. It will ensure the authenticity as their evaluation and enhance the reputation of the Institution.*

(vi) A question having parts is to be evaluated and awarded partwise.

(vii) If an examinee writes an acceptable answer which is not given in the marking scheme, he or she may be awarded marks only after consultation with the head-examiner.

(viii) If an examinee attempts an extra question, that answer deserving higher award should be retained and the other scored out.

(ix) Word limit wherever prescribed, if violated upto 10%. On both sides, may be ignored. If the violation exceeds 10%, 1 mark may be deducted.

(x) Head-examiners will approve the standard of marking of the examiners under them only after ensuring the non-violation of the instructions given in the marking scheme.

(xi) Head-examiners and examiners are once again requested and advised to ensure the authenticity of their evaluation by going through the answers seriously, sincerely and honestly. The advice, if not headed to, will bring a bad name to them and the Institution.

महत्त्वपूर्ण निर्देश :

(i) अंक-योजना का उद्देश्य मूल्यांकन को अधिकाधिक वस्तुनिष्ठ बनाना है। अंक-योजना में दिए गए उत्तर-बिन्दु अंतिम नहीं हैं। ये सुझावात्मक एवं सांकेतिक हैं। यदि परीक्षार्थी ने इनसे भिन्न, किन्तु उपयुक्त उत्तर दिए हैं, तो उसे उपयुक्त अंक दिए जाएँ।

(ii) शुद्ध, सार्थक एवं सटीक उत्तरों को यथायोग्य अधिमान दिए जाएँ।

(iii) परीक्षार्थी द्वारा अपेक्षा के अनुरूप सही उत्तर लिखने पर उसे पूर्णांक दिए जाएँ।

(iv) वर्तनीगत अशुद्धियों एवं विषयांतर की स्थिति में अधिक अंक देकर प्रोत्साहित न करें।

(v) भाषा-क्षमता एवं अभिव्यक्ति-कौशल पर ध्यान दिया जाए।

(vi) मुख्य-परीक्षकों/उप-परीक्षकों को उत्तर-पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करने के लिए केवल Marking Instructions/ Guidelines दी जा रही है, यदि मूल्यांकन निर्देश में किसी प्रकार की त्रुटि हो, प्रश्न का उत्तर स्पष्ट न हो, मूल्यांकन निर्देश में दिए गए उत्तर से अलग कोई और भी उत्तर सही हो तो परीक्षक, मुख्य-परीक्षक से विचार-विमर्श करके उस प्रश्न का मूल्यांकन अपने विवेक अनुसार करें।

सामान्य निर्देश :

(i) मूल्यांकन कार्य प्रारम्भ करने से पूर्व प्रश्न-पत्र से सम्बंधित अंश पाठ्य-पुस्तकों अन्तरा (भाग-दो) अन्तराल (भाग-दो) तथा अभिव्यक्ति और माध्यम अवश्य पढ़ने का कष्ट करें।

(ii) शुद्ध एवं प्रसंगानुकूल लेखन को अधिमान देते हुए विषयांतर तथा अशुद्ध उत्तर पर परीक्षार्थी को दंडित कीजिए।

(iii) यहाँ पर दिए गए उत्तर (बहुविकल्पीय प्रश्नों को छोड़कर) संकेतिक हैं। परीक्षार्थी द्वारा दिए गए उत्तर शुद्ध एवं सटीक हो तो उसे उसी के अनुरूप अंक दीजिए। विषयांतर पर शून्य अंक भी दिया जा सकता है।

1. यह कविताओं पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्न है। प्रत्येक सही उत्तर पर ***एक*** अंक दीजिए। सही उत्तर हैं - $1 \times 10 = 10$

(i) (ख) स्कन्दगुप्त

(ii) (ख) सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला'

(iii) (ग) स्नेह

(iv) (घ) घाट की सीढ़ियों पर

(v) (ख) अवधी

(vi) (ग) युधिष्ठिर

(vii) (क) प्रेम का

(viii) (ख) घोड़ा

(ix) (ग) कौआ

(x) (ख) शिव को

2. काव्यांश की सप्रसंग व्याख्या का मूल्यांकन करते समय प्रसंग तथा विशेष के लिए ***एक-एक*** अंक तथा व्याख्या के लिए ***तीन*** अंक विचाराधीन रखिए : 5

(क) **प्रसंग :** कवि, कविता का नाम पूर्वा पर प्रसंग,

व्याख्या : काव्यांश की व्याख्या,

विशेष : भाव, भाषा, अलंकार, छंद आदि।

व्याख्येय : सब जाति फटी ..... जटी पंचबटी

कवि केशवदास कविता रामचन्द्रिका (लक्ष्मण-उर्मिला) कवि यहाँ पंचबटी की महिमा का गुणगान कर रहा है।

व्याख्या स्पष्ट होनी चाहिए।

ब्रज भाषा : अनुप्रास, यमक, रूपक तथा उपमा अलंकार, शांत रस, प्रकृति का आलंकारिक रूप में वर्णन।

अथवा

कवि तुलसीदास, कविता-पद राम के वनगमन के बाद माता कौशल्या के संताप का वर्णन किया गया है।

व्याख्या स्पष्ट होनी चाहिए।

विशेष-ब्रज भाषा, वात्सल्य रस, पुनरुक्ति तथा अनुप्रास अलंकार।

3. कवि परिचय का मूल्यांकन करते समय जीवन परिचय तथा रचनाओं के लिए ***एक-एक*** अंक तथा काव्यगत विशेषताओं के लिए ***तीन*** अंक विचाराधीन रखते हुए अंक दीजिए।

जयशंकर प्रसाद : जन्म 1888 काशी में, संस्कृत, पालि, उर्दू और अंग्रेजी का गहन अध्ययन। इतिहास, दर्शन और धर्मशास्त्र के प्रकाण्ड पण्डित। 1937 में निधन।

रचनाएँ : अजातशत्रु, स्कन्दगुप्त, चन्द्रगुप्त, राजश्री, कंकाल, तितली आँधी, इन्द्रजाल, छाया आदि।

विशेषताएँ : राष्ट्रीय जागरण का प्रमुख स्वर, भारतीय संस्कृति की झलक, छायावादी शैली, विषय की व्यापकता, चिन्तन की गहराई। 5

अथवा

विद्यापति : जन्म 1380 ई० में। विद्यापति मिथिला नरेश राजा शिवसिंह के अभिन्न मित्र, राजकवि तथा सलाहकार थे। संस्कृत, अपभ्रंश और मैथिली तीन भाषाओं में रचनाएँ की।

रचनाएँ : कीर्तिलता, कीर्तिपताका, पदावली।

विशेषताएँ : प्रेम और सौन्दर्य की अनुभूति पद लालित्य मानवीय प्रेम और व्यावहारिक जीवन के विविध रंग इन पदों को मनोरम और आकर्षक बनाते हैं।

4. भाव और कला पक्ष स्पष्ट होने पर ही अंक दीजिए : 4

कवि केदारनाथ सिंह ने बनारस कविता में आध्यात्मिक आस्था का वर्णन किया है। सरस, सजीव व प्रवाहमयी भाषा, अनुप्रास अलंकार, आकर्षक बिंब योजना।

अथवा

नायिका की सखी नायक को नायिका की विरहावस्था का वर्णन करते हुए कहती है कि वह पुष्पों से भरे वन को देख नयन मूंद लेती है तथा कोयल की कूक और भँवरों की गुंजार को न सुनने के लिए कान बंद कर लेती है। विप्रलभ शृंगार, मैथिली भाषा, अनुप्रास, उपमा अलंकार गयात्मकता।

5. उत्तर के अनुरूप अंक दीजिए, विषयांतर पर शून्य अंक दीजिए :

$2 \times 3 = 6$

(क) मनुष्य अकेला है पर वह समाज के साथ मिल जाए तो समाज व राष्ट्र मजबूत होगा। इससे उसकी सत्ता का सार्वभौमिकरण होता है।

(ख) सत्य का रूप, वस्तु, घटना और पात्रों के अनुसार बदलता रहता है। सत्य की शाश्वत पहचान नहीं बन पाई है।

(ग) किसी भी मनुष्य या देवता में इतनी बुद्धि नहीं है कि वह सरस्वती की महिमा का बखान कर सके। उनकी उदारता के इतने व्यापक रूप है कि स्वयं ब्रह्मा, शिवजी तथा कार्तिकेय भी उनका गुणगान नहीं कर सके।

6. यह गद्य पाठों पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्न हैं। प्रत्येक सही उत्तर पर ***एक*** अंक दीजिए अन्यथा शून्य। सही उत्तर हैं -

$1 \times 10 = 10$

(i) (ग) आठ साल

(ii) (ख) इक्का

(iii) (ख) तीन

(iv) (क) पाँच मील

(v) (क) बीस सेर

(vi) (क) खैराती

(vii) (ख) धान के

(viii) (ग) इक्कीस

(ix) (घ) कालिदास

(x) (घ) पंचमंजिली

7. गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या का मूल्यांकन करते समय प्रसंग और विशेष के लिए ***एक-एक*** अंक तथा व्याख्या के लिए ***तीन*** अंक विचाराधीन रखिए। व्याख्या स्पष्ट होने पर ही समुचित अंक दीजिए। 5

पाठ 'गांधी, नेहरू और यास्सेर अराफ़ात' लेखक भीष्म साहनी इसमें भोज के समय हुई बातचीत का वर्णन है।

व्याख्या : फ़िलिस्तीन के प्रति भारतीयों की भावना का उल्लेख है। इसमें गांधी जी की विश्व प्रसिद्धि का भी बोध होता है। यास्सेर अराफ़ात की गांधी जी के प्रति भावना का पता चलता है खड़ी बोली, प्रवाहमयी भाषा है।

अथवा

लेखिका ममता कालिया, पाठ 'दूसरा देवदास' गंगा स्नान के समय पूजा-अर्चना में लगे हुए श्रद्धालुओं का वर्णन है।

भाषा तत्सम् प्रधान, वर्णनात्मक शैली, चित्रात्मकता।

8. उत्तर के अनुरूप अंक दीजिए :

(क) फ़ारसी के ज्ञाता, पुरानी कविता से प्रेम, भारतेंदु के नाटकों से प्रेम, रामचरित मानस व रामचंद्रिका का पाठ घर के सभी लोगों को इकट्ठा करके करना। 4

(ख) क्योंकि बच्चे की स्वाभाविक प्रवृत्तियाँ अभी जिंदा थी, क्योंकि इस बार उसने रहा हुआ जवाब नहीं दिया था। 2

(ग) साहित्यकार समाज को नवीन जीवन दृष्टि प्रदान कर लोकमंगलकारी साहित्य की रचना करता है। 2

(घ) पश्चिम की नकल करते हुए योजनाएँ बनाना, अपनी संस्कृति, प्रकृति तथा सभ्यता की अनदेखी करना। 2

9. उत्तर के अनुरूप अंक दीजिए :

(क) भिखारियों के लिए धन संचय करना पाप है, बात को दबाना चाहता था। 2

(ख) मलबा हटाकर खेती शुरू करना, खेतों को ढलानदार बनाना। सर्दी में पानी जमने की समस्या से निजात पाने के लिए लकड़ी जलाना तथा पानी को सिंचाई के काम में लेना। 2

(ग) कोइयाँ वर्षा ऋतु में पाया जाने वाला जलपुष्प है। शरद ऋतु में यह खिल उठता है। इसकी गंध अलग तरह की होती है। 2

(घ) औद्योगिकरण के कारण, वायु प्रदूषण के कारण वातावरण पर बुरा प्रभाव पड़ना। 4

अथवा

बादलों का घिरना, गड़गड़ाहट, रिमझिम वर्षा, बौछारों का आनन्द, हरियाली विभिन्न कीट पतंगों की भीड़।

10. उत्तर के अनुरूप अंक दीजिए : $5 \times 3 = 15$

(क) शब्द, छंद, बिम्ब, अलंकार, चित्रमयी भाषा, लय, ताल, संगीत।

(ख) कहानी का नाट्य रूपांतरण करते समय कहानी के पात्रों को उनके स्तर, शैक्षणिक योग्यता, परिवेश, कार्यप्रणाली आदि के अनुरूप प्रस्तुत किया जाता है।

(ग) विद्यार्थी स्वयं करें। भाषा प्रभावशाली हो। वर्तनीगत अशुद्धियाँ न हो।